दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

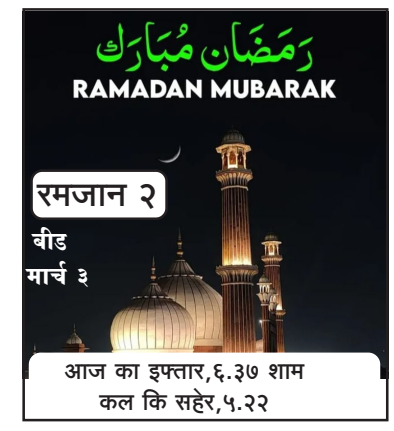

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२१० वा | सोमवार ३ मार्च २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

आज से शुरू होने वाला बजट सत्र रहेगा हंगामेदार

मंत्री धनंजय मुंडे, कोकाटे विपक्ष के निशाने पर

जमीर काज़ी, मुंबई

राज्य में बढ़ते अपराध, राष्ट्रवादी कांग्रेस के मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप, छत्रपति शिवाजी महाराज के खिलाफ प्रशांत कोरटकर द्वारा इस्तेमाल की गई अपमानजनक भाषा, भाजपा की केंद्रीय मंत्री रक्षा खडसे की बेटी के साथ हुई छेड़छाड़ जैसी घटनाओं के कारण सोमवार से शुरू हो रहा बजट सत्र हंगामेदार होने की संभावना है। महायुती सरकार के पास बहुमत जरूर है, लेकिन राज्य में लगातार बढ़ रही घटनाएं उनके लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती हैं। वहीं, आदिवासी दिवस की पूर्व संध्या पर सरकार द्वारा आयोजित चायपान कार्यक्रम का बहिष्कार कर विपक्ष ने अपनी नाराजगी पहले ही जता दी है।

बजट सत्र ३ मार्च से २६ मार्च तक चलेगा। १० मार्च को उपमुख्यमंत्री अजीत पवार बजट पेश करेंगे। चूंकि यह नई सरकार का पहला बजट सत्र है, इसलिए जनता की निगाहें इस पर टिकी हैं कि किन योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी और चुनावी घोषणापत्र में किए गए किन वादों के लिए प्रावधान किया जाएगा।

इसी बीच, मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या, पुणे के स्वारगेट बस स्टेशन पर हुए बलात्कार का मामला, विवादित मंत्री धनंजय मुंडे

और कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे को अदालत द्वारा सुनाई गई सजा, इतिहासकार इंद्रजीत सावंत को धमकी देते हुए प्रशांत कोरटकर द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान जैसे मुद्दों को लेकर विपक्ष सरकार पर हमलावर रहेगा। अब देखना होगा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और दोनों उपमुख्यमंत्री इन आरोपों का कैसे सामना करते हैं।

विपक्ष का नेता कौन?

विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद महाविकास अघाड़ी के दलों में निराशा छा गई थी। विपक्ष का नेता पद हासिल करने के लिए किसी भी दल के पास पर्याप्त विधायक नहीं हैं। ऐसे में समन्वय की कमी साफ नजर आ रही है और तीनों दलों के नेता एक-दूसरे पर आरोप लगाते भी दिखे हैं। इस स्थिति में अब तक विधानसभा अध्यक्ष को विपक्ष के नेता का नाम नहीं सौंपा गया है। हालांकि, बीते कुछ दिनों से महाविकास अघाड़ी के नेताओं के बीच इस पर सकारात्मक बातचीत हो रही थी, जिसके तहत यह पद उद्धव ठाकरे की शिवसेना को दिए जाने की संभावना है। चर्चा है कि इस पद के लिए भास्कर जाधव का नाम भेजा जा सकता है। हालांकि, उनकी नियुक्ति इसी सत्र में होती है या नहीं, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

सोमनाथ सूर्यवंशी को न्याय दिलाने के लिए आज भीमसैनिकों का आजाद मैदान में एल्गार

विशेष प्रतिनिधि, मुंबई

शहीद सोमनाथ सूर्यवंशी और लोकनेता विजय वाकोडे को न्याय दिलाने के लिए ३ मार्च, सोमवार को आजाद मैदान में आंबेडकरी समाज की ओर से राज्यव्यापी आंदोलन किया जाएगा। राज्य सरकार से जवाब मांगने के लिए मंत्रालय की ओर हजारों भीमसैनिक, आंबेडकरी समाज के लोग और संविधान प्रेमी नागरिक राज्यभर से मुंबई में जुटने वाले हैं।

परभणी में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा के सामने संविधान की प्रतिकृति को सोपान निवृत्ती पवार द्वारा तोड़ने और उसका अपमान किए जाने की घटना के विरोध में आंबेडकरी और संविधान प्रेमी नागरिकों ने विरोध प्रदर्शन किया था। इस दौरान पुलिस की बर्बर पिटाई के कारण सोमनाथ सूर्यवंशी की मौत हो गई। अगले ही दिन, शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने वाले लोकनेता विजय वाकोडे को भी प्रशासनिक दमन और मानसिक आघात के कारण हृदयगति रुकने से अपनी जान गंवानी पड़ी।

इन घटनाओं में न्याय दिलाने और विभिन्न मांगों को लागू कराने के लिए यह शांतिपूर्ण आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर उपस्थित रहने का आह्वान डॉ. सिद्धार्थ हत्तीअंबिरे ने किया है।

वाळू माफियाओं का पुलिसकर्मी पर हमला

गेवराई, २ मार्च (प्रतिनिधि):

सुरळेगाव और राक्षभुवन इलाके में निजी वाहन से रेत माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई के लिए गए एक पुलिसकर्मी पर माफियाओं द्वारा हमला किए जाने की घटना सामने आई है। इस मामले में चकलांबा पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

चकलांबा पुलिस थाने के सहायक पुलिस निरीक्षक (सपोनि) संदीप पाटील ने फोन के जरिए जानकारी दी कि राक्षभुवन और सुरळेगाव इलाके में अवैध रेत खनन हो रहा है, और वहां जाकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इस आदेश के बाद हनुमान इंगोले अपने साथ अन्य पुलिसकर्मियों को लेकर एक निजी वाहन से घटनास्थल पर पहुंचे।

जांच के दौरान सुरळेगाव इलाके में एक लोडर और एक रेत से भरा ट्रैक्टर पाया गया। जब पुलिसकर्मियों ने इन वाहनों को जब्त करने की कार्रवाई शुरू की, तो वहां मौजूद रेत माफियाओं ने पुलिसकर्मियों के साथ गाली-गलौज और झगड़ा किया तथा एक पुलिसकर्मी पर हमला कर दिया। इस हमले में पुलिसकर्मी के हाथ में गंभीर चोट आई, जिसके बाद उन्हें बीड़ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि इस हमले में शामिल सभी छह आरोपी अहमदनगर जिले के रहने वाले हैं। घटना के दौरान चकलांबा पुलिस ने दो हाईवा वाहन भी जब्त किए थे। पुलिस इस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

घोरपड़ के गुप्तांगों की तस्करी, सोलापुर में बीड के तीन आरोपी गिरफ्तार

सोलापुर, २ मार्च (प्रतिनिधि):

महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में तस्करी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां घोरपड़ (मॉनीटर लिजार्ड) नामक वन्यजीव के गुप्तांगों की तस्करी कर रहे तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वन विभाग की सतर्कता के चलते यह आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े। इस घटना के बाद वन विभाग ने जंगलों में गश्त बढ़ा दी है। गिरफ्तार किए गए आरोपी बीड जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

१५१ घोरपड़ों के गुप्तांग बरामद, आरोपियों को रंगेहाथ पकड़ा गया

सोलापुर वन विभाग की टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया, जो १५१ घोरपड़ों के गुप्तांगों की तस्करी कर रहे थे। गुप्त सूचना के आधार पर वन विभाग ने सोलापुर में जाल बिछाया और आरोपियों को रंगेहाथ पकड़ लिया।

वन्यजीव संरक्षण कानून का उल्लंघन

घोरपड़ (मॉनीटर लिजार्ड) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, १९७२ के शेड्यूल-१ में शामिल है, जिससे इसे अत्यधिक सुरक्षा प्राप्त है। इस प्राणी का शिकार करना और उसके किसी भी अंग की तस्करी करना कानूनन प्रतिबंधित है। अगर कोई व्यक्ति घोरपड़ के शिकार या बिक्री में लिप्त पाया जाता है, तो उसे १०,००० रुपये का जुर्माना और ७ साल तक की सख्त सजा हो सकती है।

अंधविश्वास के कारण घोरपड़ के गुप्तांगों की बढ़ती तस्करी

गिरफ्तार आरोपी बीड जिले के कुख्यात अपराधी बताए जा रहे हैं, जो पहले भी इस तरह की गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल रह चुके हैं। घोरपड़ के गुप्तांगों को हाथ्था जोड़ी कहा जाता है, और ग्रामीण इलाकों में धन-समृद्धि लाने के अंधविश्वास के चलते इसे ऊँचे दामों पर बेचा जाता है। इस अंधविश्वास के कारण घोरपड़ जैसी संरक्षित प्रजातियों का बड़े पैमाने पर शिकार किया जा रहा है।

वन विभाग इस मामले की गहन जांच कर रहा है और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस घटना के बाद वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए वन विभाग ने जंगलों में सख्त निगरानी शुरू कर दी है।

पो. अधीक्षक साहब रमज़ान तक बाजार का समय बढ़ाएं-खुर्शीद आलम

बीड (प्रतिनिधि):

इस समय मुस्लिम समाज का पवित्र महीना रमज़ान चल रहा है। बीड शहर में बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग रहते हैं, जिनमें से अधिकांश गरीब, मजदूर और छोटे व्यवसायी हैं। ये लोग पूरा दिन मेहनत-मजदूरी और छोटे-मोटे धंधों में व्यस्त रहते हैं और देर रात अपने घर लौटते हैं।

चूंकि वे देर से घर आते हैं, इसलिए रमज़ान के लिए जरूरी सामानों की खरीदारी करने के लिए बाजार जाना पड़ता है, लेकिन जैसे ही वे खरीदारी शुरू करते हैं, बाजार बंद होने का समय हो जाता है। इससे उन्हें पर्याप्त सामान खरीदने का मौका नहीं मिल पाता। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए, बीड शहर के मुस्लिम समाज की ओर से बीड नगर परिषद के पूर्व सभापति खुर्शीद आलम ने पुलिस अधीक्षक श्री नवनीत कनावत से अनुरोध किया है कि कम से कम मुस्लिम बहुल इलाकों में रमज़ान के दौरान बाजार के समय को बढ़ाकर रात १२ बजे तक कर दिया जाए। इससे रोज़ेदारों को सहूलियत मिलेगी और वे आसानी से अपनी आवश्यक खरीदारी कर सकेंगे।

रमज़ान और रोज़ा: इंसानियत, भलाई और सेवा का संदेश

इस्लाम सिर्फ़ इबादत तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असली मकसद इंसानियत की भलाई और सुधार है। इसी वजह से रमज़ान का पवित्र महीना मुसलमानों के लिए सिर्फ़ एक धार्मिक कर्तव्य नहीं, बल्कि भूखों की तकलीफ़ को महसूस करने, गरीबों की मदद करने और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने का एक बेहतरीन अवसर भी है। रोज़ा केवल खाने-पीने से दूर रहने का नाम नहीं, बल्कि यह आत्मसंयम, सहानुभूति, धैर्य, सेवा और त्याग का एक ऊँचा संदेश देता है।

रोज़ा: एक पवित्र कर्तव्य

कुरआन में रोज़े के फ़र्ज़ होने के बारे में कहा गया है:

ऐ ईमान वालों! तुम पर रोज़े फ़र्ज़ किए गए हैं जैसे तुमसे पहले लोगों पर किए गए थे, ताकि तुम तक़वा (धर्मपरायणता) हासिल कर सको।

(सूरह अल-बक़राह २:१८३)

यह आयत हमें बताती है कि रोज़ा सिर्फ़ मुसलमानों के लिए नहीं, बल्कि यह एक प्राचीन इबादत है जो पहले की उम्मतों (सभ्यताओं) में भी पाई जाती थी। इसका असली मकसद तक़वा (नेकी और संयम) को बढ़ाना है, जो कि हर धर्म और समाज में एक ऊँचा आदर्श माना जाता है।

रोज़ा और भूखों का अहसास

जब एक संपन्न व्यक्ति रोज़ा रखता है, तो उसे भूख और प्यास की तकलीफ़ महसूस होती है। इससे उसके दिल में गरीबों और ज़रूरतमंदों के लिए हमदर्दी (सहानुभूति) पैदा होती है। यही वजह है कि इस्लाम रोज़े के साथ-साथ ज़कात, दान और सेवा पर ज़ोर देता है, ताकि समाज में कोई भी भूखा न रहे।

नबी करीम (सल्ल.) ने फरमाया:

वह व्यक्ति सच्चा मोमिन (ईमान वाला) नहीं जो खुद पेट भरकर खाए और उसका पड़ोसी भूखा सोए।

(मुसनद अहमद: ७३८७)

यह शिक्षा केवल मुसलमानों के लिए नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत के लिए एक संदेश है कि हर व्यक्ति को अपने आसपास ज़रूरतमंदों की मदद करनी चाहिए।

रमज़ान: सेवा और सामाजिक न्याय का महीना

इस्लाम में इबादत और सामाजिक न्याय का गहरा रिश्ता है। रोज़ा रखने का मकसद सिर्फ़ खुदा की इबादत करना नहीं, बल्कि यह समाज में एक सकारात्मक बदलाव लाने का ज़रिया भी है। इस महीने में हर रोज़ेदार को दूसरों की मदद और भलाई करने की सीख दी जाती है।

१. ज़कात और दान (चैरिटी) – रमज़ान के दौरान ज़कात देना एक प्रमुख धार्मिक कर्तव्य है, जिससे गरीबों की सहायता होती है और उन्हें भी सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर मिलता है।

२. इफ़्तार के आयोजन – मुसलमानों में यह परंपरा है कि वे गरीबों, जरूरतमंदों और राहगीरों के लिए इफ़्तार का आयोजन करते हैं, जिससे प्रेम और भाईचारे की भावना बढ़ती है।

३. अनाथों और विधवाओं की मदद – नबी करीम (सल्ल.) ने फरमाया:

जो व्यक्ति किसी अनाथ की परवरिश करेगा, वह जन्नत में मेरे साथ ऐसे होगा

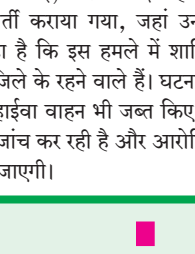

संपादक
काझी मखदूम
89993872777

जैसे दो उंगलियाँ पास-पास होती हैं।

(बुखारी: ६००५)

यह हदीस (इस्लामिक शिक्षा) समाज में समरसता और ज़रूरतमंदों की मदद को बढ़ावा देने का स्पष्ट संदेश देती है।

आध्यात्मिक शुद्धि और चरित्र निर्माण

रमज़ान का एक बड़ा उद्देश्य मानवीय चरित्र को सुधारना और इच्छाओं पर नियंत्रण पाना भी है। रोज़े की हालत में केवल खाना-पीना बंद नहीं किया जाता, बल्कि:

झूठ, चुगली, धोखा, अन्याय और बुरी आदतों से दूर रहने की शिक्षा दी जाती है।

धैर्य और सहनशीलता को प्रोत्साहित किया जाता है।

क्षमा करने और दूसरों के साथ सौहार्द से पेश आने का संदेश दिया जाता है।

नबी करीम (सल्ल.) ने कहा:

जो व्यक्ति झूठ और बुरे कामों को नहीं छोड़ता, अल्लाह को उसके भूखे और प्यासे रहने की कोई ज़रूरत नहीं।

(बुखारी: १९०३)

यह शिक्षाएँ यह दर्शाती हैं कि रोज़ा केवल एक धार्मिक कर्तव्य नहीं है, बल्कि नैतिक प्रशिक्षण और सामाजिक भलाई का एक पूरा सिस्टम है।

रमज़ान और अन्य धर्मों के प्रति सद्भावना

इस्लाम हमेशा धर्मों के बीच सद्भाव और सहिष्णुता का संदेश देता है। नबी करीम (सल्ल.) की ज़िंदगी में कई ऐसे उदाहरण मिलते हैं जो यह दर्शाते हैं कि मुसलमानों को अपने गैर-मुस्लिम भाइयों के साथ भी प्रेम, सम्मान और अच्छे व्यवहार से पेश आना चाहिए।

१. मदीना में धार्मिक सहिष्णुता – जब नबी करीम (सल्ल.) ने मदीना में हिजरत की, तो वहाँ के सभी धर्मों के लोगों के साथ एक शांति समझौता (मीसाक़-ए-मदीना) किया, जिसमें सभी को बराबरी का अधिकार दिया गया।

२. इफ़्तार में सभी को शामिल करना – रमज़ान के दौरान कई मुसलमान हिंदू, ईसाई और अन्य धर्मों के लोगों को इफ़्तार में आमंत्रित करते हैं, जिससे धार्मिक सद्भाव बढ़ता है।

रमज़ान: संपूर्ण मानवता के लिए एक संदेश

इस्लाम की महानता इसी में है कि इसकी शिक्षाएँ संपूर्ण मानवता के लिए भलाई का संदेश देती हैं। रोज़ा केवल एक धार्मिक कर्तव्य नहीं, बल्कि एक सम्पूर्ण नैतिक और सामाजिक सुधार प्रणाली है। यदि रमज़ान की शिक्षाओं को सही मायनों में अपनाया जाए, तो एक ऐसा समाज बन सकता है जहाँ:

कोई भूखा न सोए,

कोई अनाथ या विधवा बेसहारा न रहे,

कोई भी अन्याय का शिकार न हो,

हर व्यक्ति ईमानदारी, धैर्य, सहिष्णुता और न्याय का प्रतीक बने।

यही रमज़ान का असली संदेश है, और यही इस्लाम की असली महानता है, जो न सिर्फ़ मुसलमानों के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक रहमत (आशीर्वाद) है।

अल्लाह हमें रमज़ान की बरकतों को समझने, उस पर अमल करने और इसे पूरी दुनिया के लिए भलाई का माध्यम बनाने की तौफ़ीक़ दे। आमीन।।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

ढहानू में अनुमति से अधिक मिट्टी की खुदाई, ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

ग्रामीणों ने की शिकायत, सड़क की हालत बदतर

ढहानू: तालुका क्षेत्र के औसरविरा गांव में एक खजाना जमीन के मालिक को मिट्टी निकालने के लिए विभाग से अनुमति मिली थी। हालांकि, ग्रामीणों का आरोप है कि अनुमति से अधिक मात्रा में मिट्टी निकालकर क्षेत्र में अनियमित खुदाई की जा रही है। इस वजह से सड़क की हालत खराब हो गई है और वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों ने कहा कि यह मिट्टी खुदाई निर्धारित सीमा से अधिक हो रही है, जिससे पर्यावरण और आसपास के इलाकों को नुकसान पहुंच रहा है। इस संबंध में प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की गई है।

जमीन मालिक पर अवैध खुदाई का आरोप

औसरविरा गांव में एक खास जमीन पर बड़ी मात्रा में मिट्टी निकालने का काम शुरू किया गया है। हालांकि, सरकारी विभाग से मिली अनुमति में खुदाई की एक सीमा तय थी। लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि तय मात्रा से अधिक मिट्टी निकालने का काम जारी है।

इसके चलते स्थानीय लोगों ने तहसील कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है और इस पर जल्द से जल्द कार्रवाई करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि भारी वाहनों की आवाजाही से सड़कें भी खराब हो रही हैं, जिससे आने-जाने में दिक्कतें बढ़ गई हैं।

यूसुफ परमार (औसरविरा) का बयान

खास जमीन के मालिक ने अवैध रूप से मिट्टी निकालना शुरू किया है। एक विशेष क्षेत्र में निर्धारित मात्रा से अधिक खुदाई की जा रही है। संबंधित प्रशासन को इस पर ध्यान देकर तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

प्रशासन ने दिया कार्रवाई का आश्वासन

औसरविरा क्षेत्र में मिट्टी की अनियमित खुदाई को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। स्थानीय प्रशासन ने भी माना कि क्षेत्र में अनियंत्रित मिट्टी खुदाई की घटनाएं हो रही हैं।

इस मामले पर तहसीलदार सुनील कांबले ने कहा:

औसरविरा क्षेत्र में निर्धारित मात्रा से अधिक मिट्टी निकाले जाने की शिकायत मिली है। इस संबंध में जांच की जाएगी, दोषी पाए जाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह की अनियमितताओं को रोकने के लिए निगरानी बढ़ाई जाएगी और इस तरह के मामलों में किसी को भी नियमों का उल्लंघन करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

ग्रामीणों की बढ़ती नाराजगी

ग्रामीणों का कहना है कि अगर प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो वे आगे आंदोलन करेंगे। इस मामले को लेकर प्रशासनिक स्तर पर सख्ती से जांच की मांग की गई है।

इस विषय में परमार का कहना कि मानटो कोरलो कम्पनी मन मानी करते हुए खूदाई कर रही है इस जगह के मालिक पच्चीस से ज्यादा है लेकिन कम्पनी ने सिर्फ एक आदमी से बात कि जब के बाकी लोगों का इसे विरोध है तथा ये मामला कोर्ट में भी चल रहा है, इस बारे में परमार और दुसरे जमीन मालिकों का महाराष्ट्र सरकार से अनुरोध है कि वे इस अवैध खनन पर रोक लगाए।

ऐतिहासिक कारंजा टॉवर के पुनर्निर्माण संघर्ष को मनसे का समर्थन

मुक्त पत्रकार एस.एम. यूसुफ का सम्मान

बीड (प्रतिनिधि):

ऐतिहासिक कारंजा टॉवर के संपूर्ण नवीनीकरण के लिए चल रहे संघर्ष को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने अपना समर्थन दिया है। इस संघर्ष को आगे बढ़ाने वाले मुक्त पत्रकार एस.एम. यूसुफ का सम्मान समारोह आयोजित किया गया, हालांकि कुछ अपरिहार्य कारणों से वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता रमेशराव गंगाधरे इस कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके।

कारंजा टॉवर पुनर्निर्माण की १० सालों से प्रतीक्षा

बीड शहर की पहचान माने जाने वाला ऐतिहासिक कारंजा टॉवर पिछले १० वर्षों से अपने संपूर्ण नवीनीकरण की प्रतीक्षा में है। लेकिन सरकार और प्रशासन की उदासीनता के कारण अब तक इस पर गंभीरता से कोई कार्रवाई नहीं की गई।

इस अन्याय के खिलाफ, मुक्त पत्रकार एस.एम. यूसुफ और वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता रमेशराव गंगाधरे ने १४ फरवरी २०२५ को जिलाधिकारी, मुख्याधिकारी, तहसीलदार और जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा था, जिसमें कारंजा टॉवर के नवीनीकरण की मांग की गई थी। १५ दिन बीत जाने के बाद भी प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया, जिससे नाराज होकर यूसुफ और गंगाधरे ने यह प्रण लिया कि जब तक कारंजा टॉवर की दुर्दशा समाप्त नहीं होती और उसका संपूर्ण नवीनीकरण नहीं किया जाता, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा।

मनसे का समर्थन और एस.एम. यूसुफ का सम्मान

इस संघर्ष को देखते हुए, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के बीड जिला उपाध्यक्ष सदाशिवराव बिडवे और बीड शहर अध्यक्ष अमरजान पठान ने एस.एम. यूसुफ और रमेशराव गंगाधरे के प्रयासों की सराहना करते हुए उनका सम्मान समारोह आयोजित किया, जो कि कारंजा टॉवर के सामने संपन्न हुआ। हालांकि, रमेशराव गंगाधरे अपरिहार्य कारणों से इस कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके।

मनसे का संकल्प: ऐतिहासिक धरोहर की रक्षा करेंगे

सम्मान समारोह में बोलते हुए सदाशिवराव बिडवे और अमरजान पठान ने कहा कि कारंजा टॉवर केवल बीड शहर ही नहीं, बल्कि पूरे जिले की ऐतिहासिक पहचान है। इसे बचाने के लिए संघर्ष कर रहे यूसुफ भाई और रमेश मामा के साथ मनसे हमेशा खड़ी रहेगी।

मुक्त पत्रकार एस.एम. यूसुफ ने अपने संघर्ष को जारी रखने का संकल्प लेते हुए कहा कि ज्ञापन देने के बाद कारंजा टॉवर को लेकर वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं में जबरदस्त जागरूकता आई है। स्थानीय नागरिक भी इस ऐतिहासिक धरोहर को बचाने के लिए अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब जनता एकजुट होती है, तो अच्छे परिणाम मिलते हैं।

एस.एम. यूसुफ: संघर्ष का प्रतीक

एस.एम. यूसुफ न केवल एक स्वतंत्र पत्रकार हैं, बल्कि एक निर्भीक योद्धा भी हैं, जिन्होंने सामाजिक न्याय और ऐतिहासिक धरोहरों की रक्षा के लिए अपनी आवाज़ बुलंद की है। उनके प्रयासों से बीड शहर में जागरूकता की लहर दौड़ गई है और प्रशासन पर दबाव बढ़ रहा है। उनकी निस्वार्थ सेवा, ईमानदारी और अथक संघर्ष को देखते हुए, समाज उन्हें सच्चे जनसेवक और पत्रकारिता के नायक के रूप में देख रहा है।

इस कार्यक्रम में सय्यद शराफत, हरिभाऊ अपसिंगेकर, शेख सईद, शेख रियाज, अनवर बागवान, फेरोज खान समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

संघर्ष जारी रहेगा

यूसुफ और गंगाधरे के नेतृत्व में यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक ऐतिहासिक कारंजा टॉवर का पूर्ण नवीनीकरण नहीं हो जाता। अब देखना होगा कि प्रशासन इस ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित करने के लिए कब ठोस कदम उठाता है।

विसंवादी और किसान विरोधी सरकार के खिलाफ चाय-नाश्ते के कार्यक्रम का बहिष्कार-अंबादास दानवे

मुंबई, ३ मार्च (विशेष प्रतिनिधि):

महाविकास अघाड़ी ने राज्य सरकार द्वारा आयोजित चाय-नाश्ते के कार्यक्रम का बहिष्कार करने का फैसला किया है। इस बारे में विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने कहा कि यह तीन दलों की, तीन मुखों वाली सरकार है, जो पूरी तरह से किसान विरोधी और जनविरोधी नीतियां चला रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आम जनता को न्याय देने की भूमिका नहीं निभा रही है और विपक्ष के प्रति सौतेला व्यवहार कर रही है। इसलिए, महाविकास अघाड़ी ने सरकार के इस कार्यक्रम से दूर रहने का निर्णय लिया है।

विपक्षी दलों की बैठक और सरकार पर हमले

बजट सत्र से पहले अंबादास दानवे के सरकारी निवास 'अजिंक्यतारा' में महाविकास अघाड़ी के नेताओं की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में विपक्षी नेताओं ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए।

बैठक में शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता आदित्य ठाकरे, प्रतिपक्ष नेता सुनील प्रभु, विधायक भास्कर जाधव, कांग्रेस विधायक दल के उपनेता अमीन पटेल, भाई जगताप, राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) के विधायक जितेंद्र आव्हाड और कांग्रेस के शिरीष कुमार नाइक उपस्थित थे।

इस मौके पर अंबादास दानवे ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा:

कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे को सरकार को धोखा देने का दोषी पाया गया है, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। कानून व्यवस्था ध्वस्त, लोकतंत्र को खतरा - कांग्रेस नेता भाई जगताप

कांग्रेस नेता भाई जगताप ने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार परंपराओं और प्रथाओं के बीच मतभेद पैदा कर रही है। राष्ट्रवादी कांग्रेस के जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच संवाद खत्म हो चुका है, जो लोकतंत्र के लिए खतरा है। जब तक सरकार विपक्ष से संवाद स्थापित नहीं करती, तब तक हम चाय-नाश्ते के कार्यक्रम का बहिष्कार जारी रखेंगे। शिवाजी महाराज की प्रतिमा निर्माण में भी घोटाला - आदित्य ठाकरे शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि सरकार के कार्यकाल में न सिर्फ सड़क और जल परियोजनाओं में भ्रष्टाचार हुआ, बल्कि छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा निर्माण में भी घोटाला किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि अगर किसी मंत्री पर भ्रष्टाचार या अपराध के आरोप हैं, तो सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए। अगर सरकार दोषियों पर कार्रवाई करती है, तो विपक्ष उसका समर्थन करेगा। उन्होंने शक्ति कानून का भी मुद्दा उठाया और कहा कि सरकार ने इसे केंद्र की मंजूरी के लिए भेजा था, लेकिन राष्ट्रपति ने इसे वापस लौटा दिया। यह सरकार की बड़ी विफलता है। तीन पार्टियों में पालक मंत्री का विवाद, लेकिन हमारा संघर्ष महाराष्ट्र के हित में

महाविकास अघाड़ी ने साफ कर दिया कि जब तक सरकार लोकतांत्रिक संवाद स्थापित नहीं करती और पारदर्शिता नहीं रखती, तब तक वे सत्ता पक्ष के चाय-नाश्ते के कार्यक्रमों में शामिल नहीं होंगे। अब देखना होगा कि सरकार इस पर क्या रुख अपनाती है।

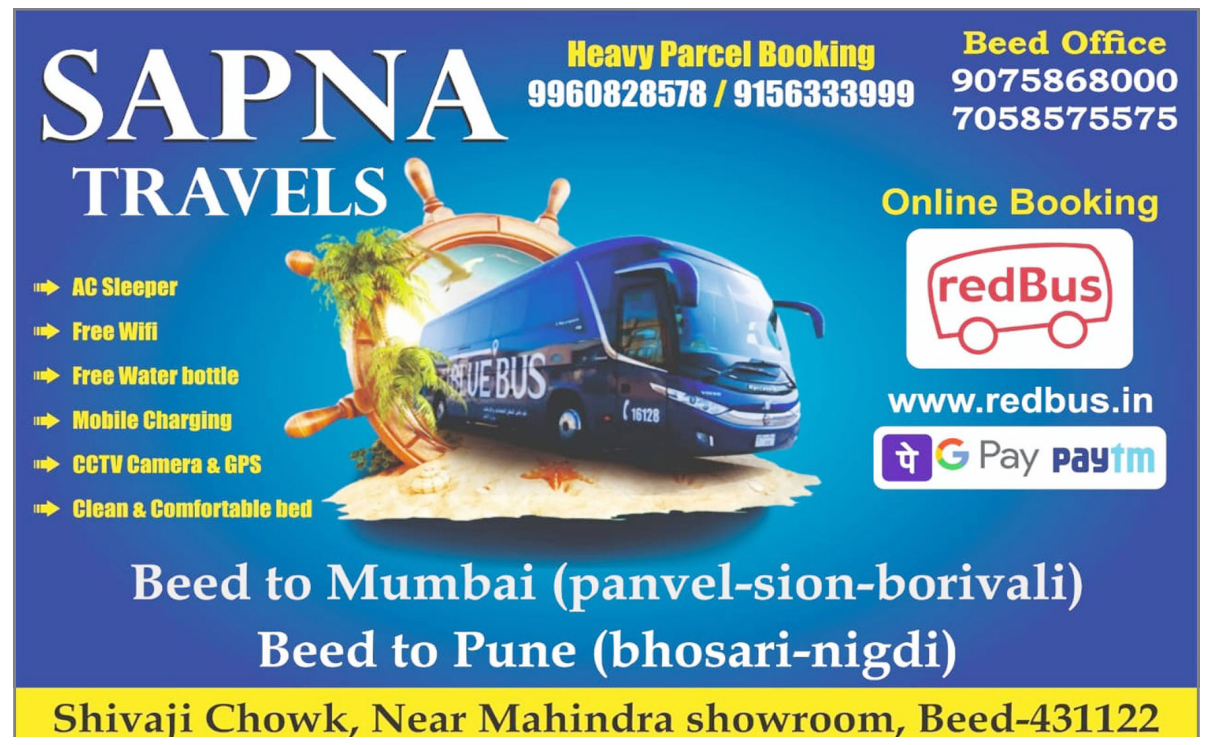

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com